

9754118593

TECHNICAL  
EDUCATION

# TALLY.ERP9

Computer Training Institute

ॐ सरस्वती नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि।  
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा॥

Computer Training Institute |

Directed By-Mr. Murti Nishad

## **INDEX**

1. Accounts
2. Capital & Drawing
3. Goods & Assets
4. Discount
5. Purchase Return & Sales Return
6. Bad Debts
7. Depreciation
8. Installation Charges
9. Loan Entry
10. Deposit
11. Bank Entry
12. Standard Narration
13. Share & Debenture
14. Nominal A/C
15. Living Stock Entry
16. Expenses, Advances
17. Outstanding Expenses
18. Debit Note & Credit Note

- 19. Tax Entry
- 20. Excise Duty & Sales Tax
- 21. Income Tax
- 22. Municipal Tax

TALLY ACCOUNTING

## FUNDAMENTAL OF ACCOUNTS

### 1. Personal A/c (व्यक्तिगत खाता)

किसी भी आदमी, दुकान, कम्पनी और संस्था के नाम का A/c इसके अन्तर्गत आता है ।

Ex :- Ram, kumar, Sohan Book Depot, Laxmi Medical Store, SBI Bank, SriSaibaba Computer Etc.

Rules :- पाने वाला Dr  
देने वाला Cr

### 2. Real A/c (वास्तविक खाता)

कसी भी वस्तु के नाम का A/c इसके अन्तर्गत आता है ।

Ex :-

Car, Furniture, Cash, Land, Stock, Building, Goods, Computer Etc.

Rules :- आने पर Dr  
जाने पर Cr

1. Ram को 2050रु नगद दिए

Ram – Cash

Ram Dr 2050

To Cash 2050

2. kumar से 1000रु नगद मिले

kumar – Cash

Cash Dr 1000

To kumar 1000

3. Computer खरिदा नगद 25000

Computer – Cash

Computer Dr 25000

To Cash 25000

4. Computer बेचा नगद 30000

Computer – Cash

Cash Dr 30000

To Computer 30000

5. Bank में पैसा जमा किया 5000

Bank – Cash

Bank Dr 5000

To Cash 5000

6. Bank से नगद पैसा निकाला 25000

Bank – Cash

Cash Dr 25000

To Bank 25000

7. Manoj से पैसा मिला नगद 5000

Cash Dr 5000

To Manoj 5000

8. Car खरिदा नगद 2500000

Car Dr 2500000

To Cash 250000

9. Lokesh को पैसा दिया 2500

Lokesh Dr 2500

To Cash 2500

10. SBI Bank से नगद पैसा निकाला 6000

Cash Dr 6000

To SBI Bank 6000

### 3 -Nominal A/c (नाममात्र के खाते)

एसे A/c जो सिर्फ नाम के होते हैं जिसका कोई अस्तित्व नहीं होता है। जिन्हे हम देख नहीं सकते हैं वह Nominal A/c के अन्तर्गत आता है।

Nominal A/c के अन्तर्गत आने वाले खातों को दो भागों में बांटा जाता है। :-

1. खर्च (Expenses)
2. आय (Income)

**खर्च (Expenses)**-जिस A/c के नाम से पैसा जाता है वह खर्च (Expenses) कहलता है।

Ex :- Rent Paid, Salary Paid,

Telephone Bill Paid, Purchase\*, Commission, interest Etc. खर्च (Expenses) Dr

**आय (Income)** - जिस A/c के नाम से पैसा आता है वह आय (Income)

कहलता है। Ex :- Rent Rec., Commission Rec, interest Rec. Sale\* Etc. आय (Income) Cr

1. Commission दिया नगद। 5000

Commission – Cash

Commission Paid Dr 5000

To Cash 25000

2. Interest मिला नगद 5100

Interest Rec - Cash

Cash Dr 5100  
To interest Rec 5100

### 3. Salary दिया नगद 7000

Salary - Cash  
Salary Dr 7000  
To Cash 7000

**NOTE :-** Cash की जगह Cheque से Payment करने पर या Cash की जगह Cheque से payment मिलने पर Bank का A/c खोला जाता है । और उसे Cash के स्थान पर रखते हैं । अर्थात् Cash Payment करने पर CashDr होता है तो Cheque मिलने पर BankDr होगा । Cheque Payment करने पर Bank, Cr होगा ।

### 4. Commission दिया चेक से 7000

Commission Paid - Bank  
Commission Paid Dr 7000  
To Bank 7000

### 5. Interest मिला चेक से 700

Interest Rec - Bank  
Bank Dr 700  
To Interest 700

## CAPITAL & DRAWING A/C & PROPRIETOR A/C

NOTE :-

(1) व्यापार और व्यापार का मालिक दो अलग अलग व्यक्ति माने जाते हैं और हम

Entry व्यापार के लिए करते हैं। ना कि व्यापारी के लिए अर्थात यदि Business के पास Cash या वस्तु आती है तो वह Dr होगी और यदि Business के पास से Cash या वस्तु जाती है तो Cr होगी।

- (2) Practical Field में Capital और Drawing का A/c नहीं खुलता है। उसकी जगह व्यापार के मालिक का A/c खुलता है।

Ex:- Mohan (Prop) Rohan (Prop)

1. मोहन व्यापार के मालिक ने व्यापार में पैसा लगाया (Capital)

Cash Mohan(Prop)

Cash Dr

To Mohan (Prop)

2. मोहन व्यापार के मालिक ने व्यापार से पैसा निकाला (Drawing)

Mohan (Prop) Cash

Mohan (Prop) Dr

To Cash

3. मोहन व्यापार के मालिक ने व्यापार में घरेलू फर्नीचर लगाया Cash

Furniture Fixture – Mohan (Prop)

Furniture Fixture Dr

To Mohan (Prop)

4. मोहन व्यापार के मालिक ने Business के Bank में अपना निजी पैसा जमा कराया

Bank- Mohan (Prop)

Bank Dr

To Mohan (Prop)

(Mohan (Prop) Deposited Personal Cash In Business Bank)



## GOODS & ASSETS

**NOTE :-**

## GOODS

- 1.** जिस वस्तु का हम **Business** करते हैं वह हमारे लिए **Goods** की खरीदी पर **Purchase A/c** खोलते हैं । और **Good** की विक्री पर **Sale A/c** खोलते हैं ।

जिस वस्तु का हम **Business** नहीं करते हैं (Goods को छोड़ कर सभी बस्तु हैं )

## ASSETS

Assets की खरीदी-बिक्री पर उसके नाम का A/c खोलते हैं ।

यदि प्रश्न में वस्तु का नाम दिया हो और यह स्पष्ट ना हो कि वह **Goods** है या **Assets** तो उसे **Assets** मानकर **Entery** करेंगे । अर्थात उसके नाम का **A/c** खोलेंगे ।

- (1) कम्प्यूटर खरीदा नगद  
Computer – Cash  
Computer                      Dr  
    To      Cash
- (2) कम्प्यूटर बेचा नगद  
Computer – Cash  
Cash                      Dr  
    To      Computer
- (3) माल (Goods) खरीदा नगद

Purchase – Cash

Purchase Dr

To Cash

(4) माल (Goods) बेचा नगद

Sale – Cash

Cash - Dr

To Sale

### (SHORT CUT)

(1) माल खरीदने पर Purchase A/c खोलते हैं । और Purchase A/c हमेशा Dr होता है ।

नगद

चेक से

अधार

Purchase Dr

Purchase Dr

Purchase Dr

To Cash

To Bank

To

Party Name

(2) माल बेचने पर Sale A/c खोलते हैं । और Sale A/c हमेशा Cr होता है ।

नगद

चेक से

अधार

Cash Dr

Bank Dr

Party/Name Dr

To Sale

To Sale

To

Sale

- (3) Assets की खरीदी पर उसके नाम का A/c खोलकर उसे Dr करते हैं।  
नगद चेक से

अधार

Assets Name Dr	Assets Name Dr	Assets Name Dr
To Cash	To Bank	To Party
Name		

- (4) Assets बेचने पर उसके नाम का A/c खोलकर उसे CR करते हैं।  
नगद चेक से

अधार

Cash Dr	Bank Dr	Party Name Dr
To Assets Name	To Assets Name	To Assets Name

- (5) Cash आया तो Cash हमेशा Dr  
(6) Cash गया तो Cash हमेशा Cr  
(7) Check मिलने पर या Bank में पेसा आने पर Bank Dr  
(8) Check देने पर या Bank से पेसा जाने पर Bank Cr  
(9) खर्च हमेशा Dr  
(10) आय हमेशा Cr

**NOTE :-** विभिन्न प्रकार के खर्चों के लिए निम्न Accounting Head खोले जाते हैं ।

- (1) चाय,काफी,नाश्ता,पान ईत्यादी एवं आफ्फिस के छोटेमोटे खर्च के लिए (Office Expenses)
- (2) पेन,पेसिल,स्टेशनरी से संबंधित कोई भी खर्च(Bill Book,रसिद Book छपवाने का खर्च Photocopy का खर्च) के लिए Printing & Stationery A/c
- (3) माल खरीदते समय दिया गया गाड़ी भाड़ा (Carriage Inward.)
- (4) माल बेचते समय दिया गया गाड़ी भाड़ा (Carriage Outward.)
- (5) बिजली विल चुकाने पर या बिजली का छोटा मोटा सामान खरीदने पर बल्ब,ट्यूबलाईट,आदी खरिदने पर(Electricity Expenses.)
- (6) Telephone Bill चुकाने पर या Telephone का छोटा मोटा सामान खरिदने पर (Telephone Expenses.)
- (7) शहर से बाहर यात्रा का खर्च (Travelling Expenses)
- (8) शहर के अंदर आने जाने का खर्च Petrol का खर्च ( Conveyance Expenses.) यातायात व्यय
- (9) डाक टिकट लिफाफा पोस्ट आफिस से संबधित कोई भी खर्च ( Postage & Telegraph A/c.) यातायात व्यय
- (10) मशीन एवं वाहनो की मरम्मत एवं रख रखाव का खच Repairing & maintenance A/c) यातायात व्यय
- (11) Television,Newspaper,Hoarding Board या किसी अन्य माध्यम से विज्ञापन कराने का खर्च,Pomplet Visiting Card छपवाने का खर्च ( Advertisement Expenses.)
- (12) Table कुर्सी या किसी प्रकार का Furniture खरिदने पर ( Furniture & Fixture A/c)
- (13) Dog,lion,Cow या किसी भि प्रकार का पालतु जानवर खरीदने पर जो व्यवसाय के प्रयोग मे आता है । (जीवित स्कंध) ( Living Stock)

(14) For News Paper, Megazine, News Bullitine-News Paper & Periodicals A/c has to open

(15) अन्य छोटे मोटे खर्च जो उपरोक्त किस Head में नहीं जाती है । उसके लिए Sundry Expenses के लिए खाता खोलेते हैं ।

### QUESTION

1. माल खरीदा

(a) नगद

Purchase Dr  
To Cash

(b) चेक से

Purchase Dr  
To Bank

(c) उधार

Purchase Dr  
To Ram

2. माल बेचा

(a) नगद

Cash Dr

To Sale

(b) चेक से

Bank Dr

To Sale

(c) उधार (कुमार)

Kumar Dr

To Sale

3. कम्प्युटर खरीदा

(a) नगद

Computer Dr

To Cash

(b) चेक से

Computer Dr

To Bank

(c) उधार (राजु)

Computer Dr

To RAJU

4. कम्प्युटर बेचा

(a) नगद

Cash Dr

To Computer

(b) चेक से

Bank Dr

To Computer

(c) उधार (रानु)

Ranu Dr

To Computer

5. Bank में पैसा जमा किया

Bank Dr

To Cash

6. Bank से पैसा निकाला

Cash Dr

To Bank

7. Raju व्यापार के मालिक ने व्यापार में पैसा लगाया

(a) नगद

Cash Dr

To Raju (Prop)

(b) चेक से

Bank Dr

To Raju (Prop)

8. Raju व्यापार के मालिक ने व्यापार से पैसा निकाला

(a) नगद

Raju (Prop) Dr

To Cash

(b) चेक से

Raju (Prop) Dr

- To Bank
9. Ramohan को पैसा दिया
- (a) नगद
- Rammohan Dr
- To Cash
- (b) चेक से
- Rammohan Dr
- To Bank
10. Shyamsundar से पैसा मिला
- (a) नगद
- Cash Dr
- To Shyamsundar
- (b) चेक से
- Bank Dr
- To Shyamsundar
11. Dog खरिदा
- (a) नगद
- Living Stock Dr
- To Cash
12. Stul & Furniture खरिदा नगद
- Furniture & Fixture A/c Dr
- To Cash
13. Corers खर्च नगद
- Postage & Telegraph A/c Dr
- To Cash
14. Bulab & jhalarers खरिदा नगद



- Electricity Exp. A/c Dr  
To Cash
15. Petrol पे खर्च नगद  
Convyance Exp. A/c Dr  
To Cash
16. T.V. पे विज्ञापन दिया नगद  
Advertisement Exp. A/c Dr  
To Cash
17. Visiting Card छपवाया  
Advertisement Exp. A/c Dr  
To Cash

### DISCOUNT (छुट)

#### (1) Trade Discount (व्यापारीक छुट) (2) Cash Discount (नगद छुट)

(a) Trade Discount (व्यापारीक छुट) कोई भी वस्तु खरीदते समय जो Discount मिलता है कोई भी वस्तु बेचते समय जो Discount दिया जाता है वह Trade Discount कहलाता है ।

(b) Trade Discount की अलग से Entry Pass नहीं की जाती है । उसे सिधा माल के मूल्य में से घटाकर बचे हुए राशि से खरीदी या बिक्री की Entry Passs की जाती है ।

(c) Trade Discount नगद एवं उधारी दोनों प्रकार की खरीदी/बिक्री पर होता है ।

(1) 20000 रु का माल 10% TD पर नगद खरीदा

Price 20000

(-) TD 10% 2000

Purchase 18000

Purchase - Cash

Purchase Dr      18000  
                     To Cash              18000  
 (Being Goods Purchase @10%TD)

(2) 30000 रु का माल 10% TD पर रहल को उधार बेचा

Price              30000  
 (-) TD 10%              3000  
 Sale                      27000  
                     Sale - Rahul  
 Rahul Dr    27000  
                     To Sale                      27000  
 (Being Goods Sold @10%TD)

(3) 40000 रु का Computer 10% TD पर खरीदा

Price              40000  
 (-) TD 10%              4000  
 Computer    40000  
                     Computer - Cash  
 Copmputer Dr    36000  
                     To Cash                      36000  
 (Being Computer Purchase @10%TD)

## (2) Cash Discount (नगद छुट)

(a) **Cash Discount (नगद छुट)** पैसा मिलने पर **Party** को जो **Discount** दिया जाता है या पैसा देने पर **Party** से जो **Discount** मिलता है वह **Cash Discount** कहलता है ।

(b) Cash Discount सिर्फ नगद खरीदि बिक्री पर होता है

(1) 18000 रु सुरेश को दिए और 2000 रु Discount मिला

Cash	Discount	Suresh
18000	2000	20000

Suresh Dr 20000

To Cash 18000

To Discount Rec. 2000

(Being Cash Paid & Discount Received)

(2) Rakesh से 29000 रु मिला 1000 रु Discount दिया

Cash	Discount	Rakesh
29000	1000	30000

Cash Dr 29000

Discount Allowed Dr 1000

To Rakesh 30000

(Being Cash Received & Discount Allowed)

(3) 30000 रु का माल 10% TD और 5% CD पर नगद खरीदा

Price	30000
-------	-------

(-) TD 10%	3000
------------	------

Purchase	27000
----------	-------

(-) CD 5%	(-) 1350
-----------	----------

Cash Paid	25650
-----------	-------

Purchase - Cash Discount

Purchase Dr 27000

To Cash 25650

To Discount 1350

(Being Goods Purchase @10%TD and 5% CD)

(4) 40000रु का माल 10% TD और 5% CD पर नगद बेचा

	Price	40000
(-)	TD 10%	4000
	Sale	36000
(-)	CD 5%	1800
	Cash Rec	34200

	Cash Discount	Sale
	Cash Dr	34200
	Discount Allowed Dr	1800
	To Sale	36000

(Being Goods Sold @10%TD and 5% CD)

(5) 50000रु का माल 10% TD और 5% CD पर राहुल को उधार बेचा

	Price	50000
(-)	TD 10%	5000
	Sale	45000
	Rahul	Sale
	Rahul Dr	45000
	To Sale	45000

(Being Goods Sold @10%TD)

**NOTE:-** उधार खरीदि – बिक्री पर CD नहीं मिलता है ।

**NOTE:-**

- (1) यदि प्रश्न में वस्तु का नाम दिया हो और यह स्पष्ट न हो कि वह माल है या संपत्ति तो उसे संपत्ति मानकर **Entery** करेंगे ।

Car खरीदा नगद

Car Dr

To Cash

- (2) यदि प्रश्न में यह स्पष्ट न हो कि वह नगद **Transaction** (व्यवहार) या उधारी **Transaction** (व्यवहार) है तो उसे नगद **Transaction** (व्यवहार) मानकर **Entry** किया जाता है ।

माल खरीदा

Purchase Dr

To Cash

Telephone Bill चुकाया

Telephone Exp. Dr

To Cash

- (3) यदि प्रश्न में व्यक्ति का नाम दिया हो और यह स्पष्ट न हो कि वह **Cash Transaction** है या **Credit Transaction** तो उसे उधारी **Credit Transaction** मानकर **Entery** करेंगे ।

Ramu को माल बेचा

Ramu Dr

To Sale

Shyam से माल खरीदा

Purchase Dr

To Shyam

## PURCHASE RETURN & SALE RETURN की ENTRY

### (1) PURCHASE RETURN.

किसी Party से खरीदा हुआ माल वापस करना Purchase Return सिर्फ उधारी खरीदी पर होता है । Purchase Return की नमूना Entry होती है ।

Party A/c Dr

To Purchase Return

(Being Goods Return)

### (2) SALE RETURN.

किसी Party को बेचा हुआ माल वापस आना **Sale Return** कहलाता है । Sale Return सिर्फ उधारी बिक्री पर होता है । Sale Return की नमूना Entry होती है ।

Sale Return Dr

To Party

(Being Goods Received as Return)

(1) राहुल से 20000 रु का माल खरीदा

Purchase Dr. 20000

To Rahul 20000

(Being Goods Purchase)

(2) राहुल को 10000 रु का माल वापस किया

Rahul Dr. 10000

To Purchase Return 10000

(Being Goods Returned)

(3) राजकुमार को 20000 रु का माल बेचा

Rajkumar Dr. 20000

To Sale 20000

(Being Goods Sale)

(4) राजकुमार से 15000 रु का माल वापस आया

Sale Ret Dr. 15000

To Rajkumar 15000

(Being Goods Received as Return)

(5) सोनू से 30000 रु मूल्य का माल 10% TD पर खरीदा

Price 30000

(-) TD 10% 3000

Purchase 27000

Purchase Dr 27000

To Sonu 27000

(Being Goods Purchased)

(5) सोनू को 15000 रु का माल वापस किया

Sonu Dr. 15000

To Purchase Return 15000

(Being Goods Returned)

(6) सोनू को 15000 रु का माल वापस किया

Price 15000

(-) TD 10% 1500

Sonu Dr 13500

To Purchase Return 13500

(Being Goods Returned)

### BED DEBTS (डूबत ऋण)

यदि Party से मिलने वाला पैसा यदि डूब जाता है तो वह **Bed Debts** कहलाता है ।

**Bad Debts** की निम्न Entery होती है ।

Bad Debts Dr

To Party

(Being Loss by Bad Debts)

(1)

राहुल को 30000रु का माल बेचा

Rahul Dr. 30000

To Sale 30000



(Being Goods Sold)

**Rahul से 25000रु मिले शेष डूब गए**

Cash Dr 25000

To Rahul 25000

(Being Cash Rec.)

Bad Debts Dr. 5000

To Rahul 5000

(Being Loss by Bad Debts)

### **COMBINE ENTRY**

Cash Dr 25000

Bad Debts Dr 5000

To Rahul 30000

(Being Cash Received & Loss By Bad Debts )

### **DEPRECIATION (ह्रास/अवक्षयण)**

व्यवसाय की सभी स्थायी संपत्तियों पर प्रति के अंतिम दिन एक निश्चित दर से उन संपत्तियों का मूल्य कम किया जाता है वह Depreciation कहलाता है । अलग अलग

संपत्तियों पर Depreciation Charge करने की दर अलग अलग होती है ।  
Depreciation लगाने की निम्न Entry होते हैं ।

Depreciation Dr

To Assets

(Being Depreciation Charged on Assets)

**1-4-2010 30000रु का Computer खरीदा नगद**

Computer Dr. 30000

**DEPRECIATION (ह्रास/अवक्षयण)**

(Being Computer Purchased)

**31-03-2011 कम्प्यूटर पर 10% Depreciation Charge किया**

Computer 30000

(-) Dep 10% 3000 **27000**

Dep Dr 3000

To Computer 3000

(Being Dep Charged)

### **INSTALLATION CHARGE**

किसी भी संपत्ति (जैसे Machine) को खरीदकर Company तक लाने के खर्च (जैसे- Wages, Freight,) और Machine के चालु करने के खर्च (जैसे Fitting Charges) Installation Charges कहलाते हैं । Installation Charges को अलग से Entry नहीं की जाती है । उसे Machine की लागत में ही जोड़ दिया जाता है ।

Machine 100000

(+) Freight	2000
Wages	1000
Installation Charge	7000
Fitting Charges 7000	(Rs. 10000)
	110000

## CASE 1.

1-4-2010: 100000 की, मशीन खरीदा और मशीन पर 2000 Freight, 1000 Wages, 7000 Fitting Charge दिया,

Machine Dr.	110000
To Cash	110000

(Being machinery Purchase & Installation Charge Paid)

## CASE 2.

1-4-2010: 100000 की मशीन खरीदा

Machine Dr	100000
To Cash	100000

(Being Machinery Purchase)

5-4-2010: 2000 Freight, 1000 Wages और 7000 Fitting Charges मशीन के लिए दिए

Machine Dr	10000
------------	-------

To Cash	10000
---------	-------

(Being Installation Charge Paid for Machinery)

## LOAN से संबंधित ENTRY

### 1. किसी Party या Bank से Loan लेने की Entry

Cash      Dr

To Loan from Party / Bank

## 2. किसी Party को Loan देने की Entry

Loan to Party Dr

To Cash

(Being Loan Given)

## DEPOSIT

किसी भी सस्था में जमा पैसा जो उक्त निश्चित अविधि के बाद हमें वापस मिलता है या Condition पूरी होने पर (जैसे Telephoe Deposit के Case में Telephone Connection कटवाने की शर्त पूरी होने पर ) वापस मिलता है वह Deposit कहलाता है । Deposit की निम्न Entry होती है ।

**1. Telephone Connection** लेने के लिए **Airtel** में पैसा जमा कराया

Telephone Deposit (Airtel)Dr

To Cash

(Being Cash Deposited for Telephone Connection)

2. मकान मालीक को Security के रूप में पेसा (पगड़ी) दिया  
Security Deposit (Landlord)Dr  
To Cash  
  
(Being Cash Deposited as Security)
3. Electricity Meter लगवाने के लिए CSEB में पैसा जमा/कराया  
Electricity Deposit (CSEB) Dr  
To Cash  
  
(Being Cash Deposited for Electricity Meter)
4. IDBI Bank में Fixed Deposit करवाया  
  
IDBI Fixed Deposit Dr  
  
To Cash  
  
(Being Cash Deposited as in Fixed Deposit A/c)

## BANK से संबंधित ENTRY

### 1. Bank Charge/Bank Commission की Entry

Bank Charge Dr  
To Bank

(Being Bank Charge/Commission Charged by Bank)

### 2. Bank Interest मिलने की Entry

Bank Dr  
To Bank Interest Res

(Being Bank Interest Received From Bank)

### 3. किसी Party से Cheque मिलने की Entry

Bank Dr 10000  
To Party 10000

(Being Cheque Received Vide Ch.No 001)

### 4. Party से मिला Cheque Bouns होने पर

Party Dr 10000  
Bank Charge Dr 50  
To Bank 10050

(Being Cheque Issued Vide Ch.No. 001)

### 5. किसी Party को Cheque देने पर

Party Dr 15000  
To Bank 15000

(Being Cheque Issued Vide Ch.No. 123456)

### 6. किसी Party को दिया Cheque Bouns होने पर Entry

Bank Dr 15000  
To Party 15000

(Being Cheque Received as Return Vide Ch.No 123456)

## STANDART NARRATION

**1. नगद माल खरीद ने पर**

(Being Goods Purchased Vide C.M. No.....)

**C.M.= Cash Memo**

**2. उधार माल खरीदने पर**

(Being Goods Purchased Vide Invoice No or Cr. Memo .No...)

**3. नगद माल T.D. और C.D.पर खरीदने पर**

(Being Goods Purchased 10% TD & 5% CD Vide C.M.No...)

**4 . उधार माल T.D. और C.D. पर खरीदने पर**

(Being Goods Purchased 10% TD Vide Invoice No... or Cr. Memo No...)

**5.नगद माल बेचने पर**

(Being Goods Sold Vide C.M. No...)

**6 उधार माल बेचने पर**

(Being Goods Sold Vide Invoice No or C.M. Memo No...)

**7. नगद माल T.D. और C.D. पर बेचने पर**

(Being Goods Sold 10% TD & 5% CD Vide C.M. No...)

**8.उधार माल T.D. और C.D. पर बेचने पर**

(Being Goods Sold 10% TD Vide Invoice No... or Cr. Memo No...)

**9.किसी Party से नगद पेसा मिलने पर**

(Being Cash Received Vide M.R. No...)

**M.R.=Money Receipt**

**10.** किसी Party को नगद पैसा देने पर

(Being Cash Paid Vide M.R. No...)

**11.** किसी Party से Cheque मिलने पर

(Being Cheque Received Vide M.R. No. Ch No...)

**12 .** किसी Party से मिला Cheque Bouns होने पर

(Being Cheque Returned Vide Ch No...001012)

**13.** किसी Party को Cheque देन पर

(Being Cheque Issued Vide M.R.No...& Ch.. No.501)

**14.** किसी Party को दिया Cheque Bouns होने पर

(Being Cheque Received as Return Vide C.h. No...507)

**15.** Purchase Ret होने पर

(Being Goods Returned Vide Dr Note No...)

**16 .** Sale Return होने पर

(Being Goods Received as Return Vide Cr Note No...)

**17.** व्यापार के मालिक द्वारा पैसा लगाकर नय Business चालू करने पर

(Being Business Started With Cash)

**18.** व्यापार के मालिक ने Business में पैसा लगाया

(Being Cash Brought In Business)

**19 .** व्यापार के मालिक ने Business से पैसा निकाला

(Being Cash Withdraw from Business)



**20.** Bank में पैसा जमा किया

(Being Cash Deposited at Bank)

**21.** Bank से पैसा निकाला गया

(Being Cash Withdraw From Bank)

**22.** बिजली बिल चुकाने पर

(Being Electricity Bill of Service No ..... Paid to CSEB for the Mont of April)

**23.** Telephone Bill चुकाने पर

(Being Telephonw Bill of Service No ..... Paid to Airtel for the period of 1-04-2010 to 30-04-2011)

**24.** Office Expenses चुकाने पर

(Being Cash Paid to .... For Office, Cold Drink, Tea, Vide, C.m. No.....)

**25.** किसी भी Expenses की Payment करने पर

(Being Cash Paid to .... For ..... Vide C.M.. No.... or M.R. No...)

**26.** किसी भी Income की Payment मिलने पर

(Being Cash Received from...for ..... Vide C.M. No. or M.R. No...)

## **SHARE & DEBENTURE की ENTRY**

Share (अंश) खरीदने की **Entry**

Share            Dr. 100000

To    Cash    100000

(Being 10000 Share Purchased 10Rs. Per Share)

Share	Rs. Per Share	Amount
10000	10	100000

**Debenture(त्रणपत्र) खरीदने की Entery**

Debenture	Dr	50000
To	Cash	50000

(Being 5000 Debenture Purchased 10 Rs Per Debenture)

Debenture	Rs. Per Debenture	Amount
5000	10	50000

**NOMINAL A/C**

Expenses(खर्च )Dr	&	Loss (हानी )Dr
Income (खर्च ) Cr	&	Profit (लाभ ) Cr

**(1) Expenses :-** जब किसी A/c के नाम से पैसा जाता है और बदले में हमें कोई वस्तु या Service मिलती है तो वह A/c Expenses कहलाता है ।

**(2) Loss :-** जब किसी A/c के नाम से पेसा या वस्तु जाती है लेकिन बदले में हमें कुछ नहीं मिलता है तो वह Loss कहलाता है

**(3) Income :-** जब किसी A/c के नाम से पेसा आता है और बदले में कोई वस्तु या Service देना पड़ता है तो वह Income कहलाता है ।

**(4) Profit :-** जब किसी A/c के नाम से पेसा आता है और बदले में हमें कोई वस्तु या Service नहीं देना पड़ता है तो वह Profit कहलाता है ।

**(a)** 100000 रु नगद चोरी हो गए

Cash Loss by Theft (चोरी से हानि)

Loss by Theft Dr

To Cash

(Being Loss by Theft)

**(b) 20000 रु Computer आग से जलकर नष्ट हो गया**

Computer Loss by Fire

Loss by Fire Dr

To Computer

(Being Computer Loss by Fire)

**(c) किसी अन्य कारण जैसे(बाढ़,भुकंप)से संपत्ति नष्ट होने पर  
(नष्ट होने से हानी)**

Cash Loss Destroyed- Assets Name

Loss by Destroyed Dr

To Assets Name

(Being Assets Destroyed)

**(d) 20000 रु का Computer खरीदा**

Computer Dr 2000

To Cash 2000

(Being Computer Purchased)

**(e) 20000 रु का Computer 18000 रु में बेचा**

Cash	Computer	Loss on Sales of Computer
------	----------	---------------------------

18000	20000	2000
-------	-------	------

Cash	Dr	18000
------	----	-------

Loss on Sales of Computer	Dr	2000
---------------------------	----	------

To Computer 2000  
(Being Computer Sold)

**(f) 20000 रु का Computer 25000 रु में बेचा**

Cash,	Computer,	Profit on Sale of Computer
25000	20000	5000
Cash	Dr	25000

To Computer 20000

To Profit on Sale of Computer 5000

(Being Computer Sold)

**(g) Goods खरिदा नगद 20000**

Purchase	Dr	20000
	To Cash	20000

(Being Goods Purchased)

**(h) 20000 रु का Goods 25000 रु में बेचा**

Cash	Sale
Cash	Dr 25000
	To Sale 25000

(Being Goods Sold)

Sale = Purchase Cost + Profit  
= 20000 + 5000  
= 25000

(माल की विक्री पर अलग से **Profit** या **Loss Show** नहीं करते हैं। **Sale Value** में ही **Profit** जुड़ी होती है)

**Note :-** निम्न परिस्थितियों में PurchaseCr. होता है।

- माल दान में देने पर  
Charity Dr  
To Purchase

(Being Goods Given Charity)

2. माल आग से जलकर नष्ट होने पर

Loss by Fair      Dr

To Purchase

(Being Goods Destroyed By Fire)

3. माल व्यापार के मालिक द्वारा निजि उपयोग में लाने पर

ProprieterDr

To Purchase

(Being Goods Withdraw for Personal Use)

4. माल गिफ्ट एव सेम्पल के रूप में मफुत में बाटने पर

Gift & Sample A/c

To Purchase

(Being Goods Distributed Gift & Sample)

5. Goods Given as Salary

Salary A/c      Dr

To Purchase      A/c

6. Goods loss by Fire/Theft/Destroyed

Loss by Fire/Theft/Destroyed      A/c      Dr

To Purchase A/c

7. Goods Branch Transfer on Purchase Price

Branch XYZ      A/c      Dr

To Purchase      Ac

(Being Goods Given Charity)

**Sale और Purchase Ret.** के अलावा किसी अन्य कारण से माल कम होने पर **PurchaseA/c Cr** करते हैं। और जिस खाते के नाम से माल कम होता है उसे **Dr** करते हैं।

**CHARITY से संबंधित ENTRY :-**

1. नगद दान देने पर

Chartity      Dr

To Cash

(Being Cash Given as Charity)

2. चेक से दान देने पर

Charity Dr

To Bank

(Being Cheque Issued for Charity )

3. माल दान में देने पर

Chartity Dr

To Purchase

(Being Goods Given as Charity)

### LIVINGSTOCK में संबंधित ENTRY

1. कुत्ता खरिदा नगद

Living Stock Dr 2000

To Cash 2000

(Being Dog Purchase)

2. कुत्ता मर गया

Loss by living Stock Dr 2000

To living Stock 2000

(Being Dog Died)

### EXPENSES, ADVANCE EXPENSES और OUT STANDING EXPENSES

#### से संबंधित ENTRY

1. Expenses की Payment करने पर Entry

Expenses Dr

To Cash 2000

(Being Expenses Paid )

2. Advance Expenses की Payment करने पर Entry

Advance Expenses Dr

To Cash 2000

(Being Advance Expenses Paid )

3. Advance Expenses Adjust करने की Entry

Expenses     Dr

        To Advance Expenses

(Being Advance Expenses Adjusted)

4. Expenses Due (Outstanding ) होने पर Entry

Expenses     Dr

        To Outstanding Expenses

(Being Expenses Due)

5. Outstanding Expenses की Payment करने पर Entry

Expenses     Dr

        To Cash

(Being Expenses Paid)

## EXAMPLE

1. Salary दिया नगद 5000

Salary             Dr. 5000

        To Cash                     5000

(Being Salary Paid )

2. Advance Salary दिया नगद 5000

Advance Salary             Dr 5000

        To Cash                     5000

(Being Advance SalaryPaid)

3. Advance Salary Adjust किया 5000

Salary             Dr. 5000

        To Advance Salary 5000

(Being Advance Salary Adjust)

## 4. Salary देना Due (Outstanding) होने पर

Salary                      Dr. 5000

                                    To Outstanding Salary 5000

(Being Salary Due )

## 5. Outstanding Salary दिया

Outstanding Salary    Dr. 5000

                                    To Cash                      5000

(Being Outstanding Paid )

## 6. Commission दिया नगद 6000

Commission                      Dr. 6000

                                    To Cash                      5000

(Being Outstanding Paid)

## 7. Commission दिया नगद

Commission                      Dr. 6000

                                    To Cash                      6000

(Being Commission Paid)

## 8. Advance Commission दिया नगद 6000

Advance Commission        Dr. 6000

                                    To Cash                      6000

(Being Advance Commission Paid)

## 9. Rohit को Due Commission का Payment किया 6000

Rohit                              Dr. 6000

                                    To Cash                      6000

(Being Due Commission Paid)

## 10. Rohit को Due Commission का Payment किया 6000

Rohit                              Dr. 6000



To Cash                      6000  
(Being Due Commission Paid)

Due Date में ही Expenses (Commission Interest, Rent आदि) का Payment करने पर

Due Date  
Expenses Dr  
    To Cash  
(Being Expenses Paid)

Due Date में Expenses (Commission Interest, Rent आदि) का Payment नहीं करने पर

Due Date Expenses Due होने की Entry

Expenses Dr  
    To Party  
(Being Expenses Due)

Payment Date. Party की Payment करने की Entry

Party Dr  
    To Cash

(Being Cash Paid)

**NOTE :-** Practical Filed में हमेशा पहले Expenses Due होने और फिर Party को Payment करने की Entry Pass करते हैं। यदि Due Date में ही Expenses की Payment कर दी जाती है। तो भी पहले Expenses Due होने और फिर Party को Payment करने की Entry Pass करेंगे।

EG. 30 - 4 - 2009 को Agent A, Agent B, Agent C, को निम्ननुसार Commission Due

Agent A              2000

Agent B              3000

Agent C              4000

## THEORITICAL ENTRY

30-04-2009 : Commission Dr. 2000  
                             To Cash           2000  
                             (Being Commission Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 3000  
                             To Cash           3000  
                             (Being Commission Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 4000  
                             To Cash           4000  
                             (Being Commission Paid)

### **PRACTICAL ENTRY**

30-04-2009 : Commission Dr. 2000  
                             To A               2000  
                             (Being Commission Due)

A     Dr 2000  
           To Cash   2000  
           (Being Cash Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 3000  
                             To B               3000  
                             (Being Commission Due)

B     Dr 3000  
           To Cash   3000  
           (Being Cash Paid)

30-04-2009 : Commission Dr. 4000  
                             To C               4000  
                             (Being Commission Due)

C     Dr 4000  
           To Cash   4000

(Being Cash Paid)

Due Date में ही income (Commission, Interest ,Rent) प्राप्त होने पर

Cash              Dr

To Income

(Being Income Received)

Due Date में ही income (Commission, Interest ,Rent) प्राप्त नहीं होने पर

Due Date Income Charge करने कि Entry

Party              Dr

To Income

(Being Income Charged)

Receipt Date. Party से पैसा मिलने की Entry

Cash              Dr

To Party

(Being Cash Received)

यदि **Due Date** में ही **Income** प्राप्त हो जाती है तो भी **Practical Field** में पहले **Income Charge** करने और फिर **Party** से पैसा मिलने की **Entry Pass** करते है ।

## DEBIT NOTE & CREDIT NOTE

### Debit Note.

Credit Sale और Party को पैसा देने की Entry के अलावा किसी अन्य कारण से Party को Debit करने पर Party को Debit किए जाने की सूचना देने के लिए Debit Note बनाकर भेजते हैं । निम्न Entry में Debit Note बनाए जाते हैं ।

### **Purchase Return की Entry :-**

Party            Dr

To Purchase Ret

(Being Goods Returned Vide Debit Note No...)

### **Income Charge करने की Entry :-**

Party            Dr

To Income

(Being Income Charged Vide Debit Note No...)

### **Credit Note**

Credit Purchase और Party से पैसा मिलने के अलावा किसी अन्य कारण से Party को Credit करने पर Party को Credit किए जाने की सूचना देने के लिए Credit Note बनाकर भेजा जाता है । निम्न परिस्थितियों में Credit Note बनाए जाते हैं ।

### **Sales Ret की Entry :-**

Sale    Ret    Dr

To Party

(Being Goods Received As Return Vide Credit Note No.....)

### **Expenses Due होने की Entry :-**

Expenses            Dr

To Party

(Being Expenses Due Vide Credit note No....)

**TAX से संबंधित ENTRY**

Vat

Excluding Vat

1. 20000 रु का माल 4% Vat जोड़कर बेचा

Price	20000
(+)Vat@4%	800
Party	20800
Party	Dr 20800
To Sale	20000
To Vat Payable	800
(Being Goods Sold)	

2. Vat Challan पटाया

Vat Payable Dr	800
To Cash	800
(Being Vat Challan Paid)	

**Including Vat**

1. 20000 रु का माल 4% Vat जोड़कर बेचा । Including Vat से Entry Pass करेंगे

**Or**

20000 रु का माल बेचा जिसमें 4% Vat जुड़ा हुआ है ।

Price	20000
(+)Vat@4%	800
Sale	20800
Party	Dr 20800
To Sale	20800
To Vat Payable	800
(Being Goods Sold)	

## 2. Vat Challan पट्टाया

Vat Payble Dr	800
To Cash	800

(Being Vat Challan Paid)

$$\text{Vat} = \frac{\text{Sale(Including Vat)} \times \text{Tax Rate}}{100 + \text{Tax Rate}}$$

$$= \frac{20800 \times 4}{100 + 4}$$

$$= \frac{20800 \times 4}{104}$$

$$= 800$$
**EXCISE DUTY & SALES TAX.**

## 1. 20000 रु का माल 8% Excise Duty और 4% Vat जोड़कर बेचा

Price	20000
(+) Excise Duty @ 8%	1600
(20000 X 8%)	
(+) Vat @ 4%	21600
(21600 X 4%)	864
Party	22464

Party	Dr.	22464
-------	-----	-------

To Sale	20000
---------	-------

To Excise	Duty Payable	1600
-----------	--------------	------

To Vat Payable 864

(Being Goods Sold)

2. Excise Duty Challan पटाया

Excise Duty Payable Dr. 1600

To Cash 1600

(Being Excise Challan Paid)

3. Vat Challan पटाया

Vat Payable Dr. 864

To Cash 864

(Being Vat Challan Paid)

## INCOME TAX

1. **Proprietorship Business (एकल व्यापार) :-**

Income Tax, Proprietor का Personal Expenses माना जाता है और यदी Proprietor का Income Tax Business के पैसे से चुकाया जाता है तो Proprietor द्वारा Business से निजी खर्च के लिए पैसा निकालने कि निम्न Entry Pass करेंगे ।

Proprietor Dr

To Cash

(Being Income Tax Challan Paid for Proprietor)

2. **Partnership Firm & Company (साझेदारी व्यापार) :-**

Income Tax, Business का Expenses माना जाता है । अतः निम्न Entry Pass कि जाति है

31-03-2009 Income Tax Due होनेकि Entry

Income Tax Dr.

To Income Tax Payable

(Being Income Tax Due)

01-04-2009 Income Tax Challan पटाने पर

**NOTE :-** **Company** बनाने**Company** का **Form** देखने (अर्थात **Company** का नाम **Address** आदि देखने के लिए) तथा सुधारने के लिए तथा **Company** को **Delete** करने के लिए

### Getway of Tally – Company Information

1. **Select** Tally में पहले से बनी हुई **Company** में से किसी एक **Company** को **Select** करके **Entry** करने के लिए
2. **Creat** एक नई **Company** बना सकते हैं ।
3. **Display** **Select** की हुई **Company** का **Form** नाम **Address** आदी देखने के लिए ।
4. **Alter** **Select** की हुई **Compay** के **Form** में **Name Address** आदी देखने के लिए और **Change** करने के लिए
  - a) किसी **Company** को **Delete** करने के लिए उसे **Company Information** से **Select** करे **F1** से वापस **Company Information** में आकर **Alter** से उस **Company** का **Form** खोलकर **Alt +DPrss** करते हैं । उसके बाद **Enter Press** करके **N press** करने पर **Company Delete** हो जाएगी ।
  - b) **Getway of Tally** से **Company Info** में वापस आने के लिए **F1 Press** करते हैं ।

**NOTE :** - **A/c** बनाने, **A/c** का नाम, **Group**, **Openning Balance** देखने और **Change** करने के लिए तथा **A/c Delete** करने के लिए :- **Getway of Tally – A/c Information - Ledger**

1. **Creat** यहाँ से **A/c** बना सकते हैं ।
2. **Display** यहाँ से बनाए **A/c** का **Name**, **Group**, **Opening Balance** देख सकते हैं ।
3. **Alter** यहाँ से बनाए हुए **A/c** का नाम **Group**, **Opening Balance** देख सकते हैं और **Change** भी कर सकते हैं तथा **Alt+D Press** करके खाते को **Delete** भी कर सकते हैं ।



## GROUP

1. **BANK A/C** :- जिस Bank में हमारा Current A/c होता है उस Bank का A/c इस Group में आता है

E.g. S.B.I (C.A.), C.B.I.(C.A.)

\*C.A. = Current A/c

2. **BANK OCC A/C** :- जिस Bank में हमारा Cash Credit A/c या Overdraft A/c होता है उस Bank का A/c

इस Group में आता है ।

E.g. ICICI (C.C.), UCO Bank (O.D.)

\*C.C. = Cash Credit A/c

O.D. = Overdraft A/c

3. **BRANCH / DIVISION** :- हमारे ठेकेदारों की दूसरी उतंदबी का । ध्व इस व्यवस्था में आएगा

E.g. Appolo Battery, Bhilai Appolo Battery, Durg Appola Battery.

4. **CAPITAL A/** :- व्यापार के मालिक का A/c Business Partner का A/c Share Holdrs का A/c इस

Group के अन्तर्गत आता है ।

5. **CASH IN HAND** :- इस Group के अन्तर्गत Tally में Cash का A/c पहले से ही बना रहता है अतः हमें Cash

का A/c बनाने की आवश्यकता नहीं होती ।

6. **CURRENT LIABILITIES** :- ऐसी Liability जो Business के प्रतिदिन के Transaction से प्रभावित होती है वह

Current liability कहलाती है ।

E.g. Duty & Taxes, Sundry Creditors, Provision.

**7. CURRENT ASSETS** :-एसी संपत्तिया जिन पर व्यापार के प्रतिदीन का Transaction का प्रभाव पड़ता है जिनका Balance अस्थाई होता है वह Current Assets कहलाती है ।

E.g. Bank A/c Cash in Hand ,Stock in Hand,Sundry Debtors,Deposit (assets)Loand & Advance

**8. DEPOSIT ASSETS** :-किसी भी संस्था मे जमा पैसा जो एक निश्चित अवधि के बाद हमें वापस मिलता है(जैसे Bank में Fixed Deposit में जमा पैसा) यह Condition पूरी होने पर वापस मिलता (Telephone Deposit में Telephone Connection कटवाने पर वापस मिलता है) Deposit कहलाता है । ऐसे जमा पेसे के लिए खोले गए A/c का Group Deposit कहलाता है ।E.g. Telephone Deposit BSNL) Electricity Deposit

(CSEB))Security Deposit (Landlord)IDBI Fixed Deposit A/c

**9.DUTIES & TAXES :-** व्यावासाय के सभी Tax जो इस Group में Payable है वह इस Group में आते है ।

।E.g. Sales Tax Payable,Excise Duty Payable,Municipal Tax Payable,Income Tax Payable.

**10.EXPENSES (DIRECT)** माल की खरीदी और उत्पादन से संबंधित खर्च Expenses Direct कहलाते है । इस खाते का Balance Trading A/c में Dr Side में आता है । दुसरे शब्दों में Trading A/c में Dr Side में आने वाले खर्चों का Group Expenses Direct होगा ।

E.g. Wages Carriage Inward, Factory Exp.,Sale Tax,Excise Duty.

**11.EXPENSES (INDIRECT):-** माल की बिक्री एवं संचालन से संबंधित खर्च Expenses Indirect कहलाते है । ये खर्च Profit & Loss A/c Dr. Side में आते है । दुसरे शब्दों में Profit & Loss A/c के Dr. Side में आने वाले खर्चों का Group Indirect Expenses होगा

E.g. Wagesh Carriage Inward,Factory Exp.,Sale Tax,Excise Duty ये पांच को छोड़कर बाकि सभी Expenses Indirect Group के आएंगे ।

सभी Loss के A/c (Loss by Fire,Loss by Destroyed,Loss by Theft,Loss on Sale of Assets Expenses IndirectGroup में आएंगे)

**12. FIXED ASSETS :-** एसि संपत्तिया जिन पर दिन प्रतिदिन के Business Transaction का प्रभाव नहीं पड़ता है जिनका Balance स्थाई होते है । जिनका प्रयोग लंबे समय तक स्थाई रूप से करते है Fixed Assets कहलाते है ।

E.g. Machine, Land, Building, Car, Computer, Living Stock.

**13. INCOME (Revenue) or Income (Indirect) :-** व्यवसाय के सभी Side Income जो Profit & Loss A/c के Cr Side में आती है Income (Revenue) कहलाती है ।

E.g. Commission Rec, Rent Rec, Discount Rec, Interest Rec.

सभी Profit के A/c (profit on Sale of Assets & Profit on Sale of Investment ) Income (Revenue) Group में आते है ।

**14. INVESTMENT :-** किसी Company के खरीदे गए Share & Debenture के लिए खोले गए A/c का group Investment होता है ।

E.g. Share of Reliance India Pvt. Ltd. Debenture of Tata info. Pvt. Ltd, Lic Mutual Fund.

**15. LOANS & ADVANCE (Assets) :-** किसी Party को दिए गए Loan का A/c और Advance Expenses का A/c इस Group में आता है ।

E.g. Loan To Rahit, Advance Salary, Advance Rent.

**16. LOANS LIABILITY :-** Bank OCC + Secured Loan + Unsecured Loan

**17. MISC. EXPENSES :-** Preliminary Expenses, Discount of Share & Debenture dk A/c का Group इसमें आता है ।

**18. PROVISION :-** व्यवसाय के सभी Outstanding Expenses इस Group में आते है ।

E.g. Outstanding Salary, Outstanding Telephone Bill, Outstanding Electricity

Bill, Outstanding Preliminary Exp.

**19. PURCHASE A/C :-** Purchase और Purchase Return का A/c इस Group में आता है । ।

**20.RESERVE & SURPLUS:-**व्यवसाय के सभी Fund और Fund & Reseredका A/c इस Group में आता है ।

E.g. General Reserve,Capital Teserve,Pansion Fund,Compensation Fund

**21.SALE A/C :-**Sale और Sale Return काA/c इस Group में आता है ।

**22. SECURD LOANS :-**किसी Party या Bank से कोई संपत्ति गिरवी रखकर लिया गया Loan का A/c Secured Loan में आताहै ।

E.g. Loan From Monu,Loan From SBI

**Note :-** Bank से लिया गया Loan हमेशा **Secured Loans** माना जाता है ।

**23.STOCK IN HAND :-**Business के बिना बिके हुए माल के लिए Stock in hand का A/c खोलते है जिसका

Group Stock In hand होता है ।

**24.SUNDRY CREDITOR :-**किसी Party से हम उधार माल या संपत्ति खरीदते है या उधार Service लेते है तो उस Party का Group Sundry Creditor होता है ।

**25.SUNDRY DEBTOR :-**किसी Party को हम उधार माल या संपत्ति बेचते है या उधार Service देते है तो उस Party का Group Sundry Debtor होता है ।

**26.UNSECURED LOANS :-**जिस Party से बिना संपत्ति गिरवी रखे Loan लेते है इसका A/c इस Group में आता है ।

**NOTE :-** Voucher Entry का खली Funcation Key भरने के लिए सर्वप्रथम निम्न 4 खाते बनाते है ।

LEDGER	GROUP
1.Purchase A/c	Sale A/c
2.Sale A/c	Sale A/c
3.Bank A/c	Bank A/c

4. किसी एसि Party का A/c जिसका Group Sundry Creditor होगा

## QUESTION

1. Sohan (Prop)  
Capital A/c
2. Commission Paid  
Expenses (Indirect)
3. Interest Rec  
Income (Revenue)
4. Rahul से उधार Computer खरिदा  
Rahul Sundry Creditor  
Computer - Fixed Assets
5. Rohan से उधार माल खरीदा  
Rohan – Sundry Creditor  
Purchase – Purchase
6. Sumeet को Loan दिया  
Loan & Advance
7. Salary  
Expenses Indirect
8. Outstanding Salary  
Provision
9. Advance Salary  
Loan & Advance
10. Sonu को उधार माल बेचा  
Sonu-Sundry Debtor

- Sale – Sale A/c
11. Monu को उधार Computer बैचा  
Monu Sundry Debtor  
Computer Fixed Assets
  12. CBI से Loan लिया (Bank O.C.C. Condition)  
Bank OCC A/c
  13. SBI Current A/c  
Bank A/c
  14. IDBI Fixed Deposit A/c  
Deposit Assets
  15. Share of Microsoft  
Investment
  16. Meena से गिरवी रख कर Loan लिया  
Secured Loan
  17. Seema से बिना गिरवी रखे Loan लिया  
Unsecured loan
  18. मकाल मालिक को पगड़र दिया  
Deposit Assets
  19. ICICI (Cash Credit A/c)  
Bank OCC A/c
  20. Telephone Connection के लिए BSNL में पैसा जमा करया  
Deposit Assets
  21. Excise Battery जो हमारी Branch है उससे पैसा मिला  
Branch / Division

### **FUNCTION KEY**

कौन सी **Entery** कौन से **Funcation Key** में करती है ।

#### **a) F4 (Contra)**

- 1) Bank में पैसा जमा (Deposit) करने की Entry

- Bank      Dr  
             To Cash
- 2) Bankमें पैसा निकालने (Withdraw) की Entry
- Cash      Dr  
             To Bank
- 3) एक Bank से दुसरे Bank में (Cheque)से पैसा Transfer करने की Entry
- CBI          Dr  
             To SBI

केवल यही Entry Contra Entry होती है जो F4 में जाती है ।

#### b) F2 (Date)

F2की सहायता से Date Change कर सकते है ।

#### c) F5 (Payment)

जिस Entry में Cash या Bank Credit होता है (Contra Entry को छोड़कर) वह Entry F5 में जाती है ।

- 1) Purchase      Dr  
                     To Cash
- 2) Ram      Dr  
                     To Bank
- 3) Commission Dr  
                     To      Cash

#### d) F6 (Receipt)

जिस Entry में Cash या Bank Debit होता है (contra Entry को छोड़कर) वह Entry F6 में जाती है ।

- 1) Bank      Dr  
                     To Suresh

2) Cash      Dr

To Sale

3) Cash      Dr

To Sale

### e)F8 (Sale)

किसी एक Party को उधार माल बेचने की Entry F8 में जाएगी

Party      Dr

To Sale

### f) F9 (Purchase)

किसी एक Party से उधार माल खरीदने की Entry F9 में जाएगी

Purchase      Dr

To Party

### G)F7 (Journal)

जिस Entry में Cash, Bank, Sale, Purchase नहीं होता है वह Entry F7(journal) में जाति है

1) Rahul      Dr

To Computer

2)

Computer      Dr

To Rahul

3)

Salary      Dr

To Out Staanding Salary



अपवाद:— जिस Entry में Cash, Bank नहीं होता है, यदि उस Entry में एक से अधिक आपके खाते Debit या Credit होते हैं तो वह Entry भी F7(Journal) में जाएगा भले ही वह Sale और Purchase की Entry क्यों न हो ।

E.g. एक से अधिक Party से उधार माल खरिदने की Entry

Purchase Dr.	30000
To Mohan	10000
To Sohan	10000
To Gopal	10000

(Being Goods Purchase Vide Bill N. 101, 201, 301)

E.g. एक से अधिक Party को माल बेचने की Entry

Seeta Dr.	20000
Geeta Dr.	20000
Reeta Dr.	20000
To Sale	600000

(Being Goods Sold Vide Bill No. 201, 202, 203)

अपवाद :— जिस Entry में Purchase Credit होता है। वह Entry भी F7 (Journal) में जाती है।

(1) Loss by Fire Dr.	100
To Purchase	100
(2) Charity Dr.	500
To Purchase	500

अपवाद :— यदि चाहे तो F8 Sale और F9 Purchase की Entry F7 Journal में भी कर सकते हैं लेकिन उन Entry को F8 Sale और F9 Purchase में ही करने चाहिए।

(H) F10 (Memorandum)

F4 से F9 तक की सारी Entry F10 में की जाती है। लेकिन वह किसी भी Account में Effect नहीं डालेगी सिर्फ याद या memorized रखने के काम आएगी।

- Combine Entry में यदि Cash Credit है और उसके साथ एक से अधिक खाते credit या debit हैं तो वह entry भी F5 में जाएगी।

1) Telephone Exp.	Dr.	1000	
Electricity Exp.	Dr.	1000	
To Cash			2000

2) Computer	Dr.	1200	
To Cash			600
To Rahul			600

- Combine entry में Cash या bankdebit होता है। उसके साथ एक से अधिक खाते debit या credit होते हैं तो वह entry भी F6 में जाएगी।

1) Cash	Dr.	1000	
Rahul	Dr.	1000	
To Sale			2000

2) Cash	Dr.	500	
To Commission Rec.			300
To Interest Rec.			200

### (SHORTCUT KEYS)

- ALT +C (Alter+C) VoucherEntry करते समय Debit या Credit के सामने Cursor होने पर Alt+C Press करने पर Ledger Creation में पहुंचकर नया Ledger खाता तैयार कर सकते हैं।

Debit या Credit के सामने की जगह को छोड़कर Cursor पर Tally 4.5 में कहीं भी होने पर Alt+C Press करने पर Advance Calculator में पहुंचकर Calculation किया जा सकता है।

- CTRL+R (Control+R)

Voucher Entry करते समय पिछली Entry का Account और Narration वापस लाने के लिए Ctrl+R का प्रयोग कर सकते हैं। जिस Function Key में Entry कर रहे होंगे केवल उसी Function Key की पिछली Entry का Narration और Account में वापस आएगा। अर्थात् F5 की Entry में F5 की पिछली Entry और Account का Narration वापस आएगा। इसी प्रकार अन्य Function Key में Entry करने पर उनकी पिछली Entry का Narration और Account वापस आएगा।

### 3. CTRL+A (Control + A)

Company, Account Entry बनाते एवं सुधारते समय, जैसा Screen पर दिख रहा है वैसी ही स्थिति में Save करने के लिए Ctrl+A का प्रयोग किया जा सकता है। अर्थात् जितना Matter लिखना है या Change करना है उतना Matter लिखकर या Change करके Ctrl+A press करने पर Save हो जाता है।

NOTE:- Voucher Entry करते समय Page Up करके पिछली Entry को देख सकते हैं। Page Down करके आगे वाली entry देख सकते हैं। Page Up, Page Down से केवल एक ही Date के Entry को देख सकते हैं। यदि दूसरे Date की Entry को देखना है तो Blank Voucher लाकर F2 से Date Set करके Page Up करके Enter Press करने पर उस Date की पिछली Entry को देख सकते हैं।

#### 1. Credit Purchase

Date	Party	Amount	Bill No.
01-04-2008	Sonu	10000	101
	Monu	20000	102
	Ramu	30000	103
	Raju	15000	104
	Taniya	25000	105

#### 2. Credit Sale

Date	Party	Amount	Bill No.
02-04-2008	Ram	5000	201
	Shyam	6000	202
	Hari	7000	203
	Geeta	3000	204
	Ganegh	5000	205

Note :- Cash, Bank किसी अन्य Ledger (Sale, Purchase, Expenses, Income, Party के खाते) की Entry एवं Balance देखने एवं सुधारने के लिए Gateway of Tally → Display → Account Book →

1. Cash Book :- यहाँ से Cash का Balance Entry देख व सुधार सकते हैं।

2. Bank Book :- यंहा से **Bank** की **Entry** एवं **Balance** को देखा व सुधारा जा सकता है।
3. Ledger :- किसी अन्य खाते (**Sale, Purchase, Expenses, Income, Party**) के खाते द्दकी **Entry** एवं **Balance** देख व सुधार किया जा सकता है।
4. Group Summary:-यंहा से किसी एक Group के सभी खातों की **Entry** एक साथ देख सकते है। उदाहरण:- किसी महीने की सभी **Entry** एक साथ देखना हो तो Group Summary में आकर **ExpensesIndirect** को **Select** करके **Enter Press** करके उस महीने में जाकर **Enter Press** करने पर सभी खर्चों की **Entry** एक साथ देख सकते है।
5. Sale Register:- यंहा से उधार **Sale** क **Entry** को देख सकते है। जो **F8 Function Key** में करते है। नगद एवं उधारी दोनों प्रकार के **Sale** की **Entry** देखने के लिए **Ledger** से **SaleAccount** को **Select** करने पर नगद एवं उधार **Sale** दिखने लगेगा। यंहा पर **Alt+F1 Press** करने पर **Sale** की सभी **Entry 2 Parts** में **Divide** हो जाती है।
  - a) Receipt Register
  - b) Sale Register
    - i) Receipt Register में **Enter** मारने पर नगद **Sale** की **Entry** दिखेगी
    - ii) SaleRegister में **Enter** मारने पर उधारी **Sale** की **Entry** दिखेगी
6. Purchase Register :- यहां से उधार **Purchase** की **Entry** देख सकते है जो **F9** में करते है । नगद एवं उधारी दोनों प्रकार की **Purchase Entry** देखने के लिए **Ledger** से **Purchase** का खाता खोलते है । यहां से नगद एवं उधारी दोनों की **Entry** दिखने लगती है । यहां पर **Alt+F1Press** करने पर **Purchase** की सभी **Entry 2Part Divide** हो जाती है ।
  - i) Payment Register
  - ii) Purchashe Register
 

Payment Register में **Enter** मारने पर नगद **Purchase** की **Entry** दिखेगी ।

Pruchase Register में **Enter** मारने पर उधारी **Purchase** की **Enter** दिखेगी ।
7. Journal Register यहां से **Journal Enter** देख सकते है जो **f7 Function Key** में होती है

**NOTE 2.** सारे खातों का Balance एक साथ देखने के लिए :-

Getway Of Tally – Display – Trial Balance

यहां आकर Alt+F1 Press करके सारे खातों का Balance एक साथ देख सकते हैं

**NOTE 3.** Balance Sheet एवं Profit & Loss A/c देखने के लिए ।

Getway Of Tally – Balance Sheet

यहां आकर F3 Press करने पर Profit & Loss A/c देख सकते हैं

**NOTE 4.** किसी Data की सभी Function Key की सारी Entry एक साथ देखने के लिए ।

Getway Of Tally – Display -- Day Book

यहां आकर F2 Press करने पर Set किए गए Date की सारी Entry देख सकते हैं। यदि साल भर की Entry देखना है तो F2 से 1.4.... से 31.3.... की Date Range Set करेंगे ।

**\*ALT+I (Alter+I)**

Cash Book, Bank Book, Ledger से Entry देखते समय Alt+I Press करके Direct Voucher Creation में पहुंचकर एक नई Entry pass कर सकते हैं ।

**\*ALT +D (Alter+D)**

Cash Book, Bank Book, Ledger में Entry देखते समय यदि किसी Entry को Delete करना हो तो उसे Select करके Alt+D Press करने पर वह Delete हो जाती है ।

## NOTE

### 1. Debtor List देखने के लिए

Getway of Tally – Balance Sheet – Current Assets – Sundry Debtor

यहां से Debtor का नाम और उनका Balance देख सकते हैं । Alt + P Press करके Printout निकाल सकते हैं ।

### 2. Creditor List निकालने के लिए

Getway of Tally – Balance Sheet – Current Liabilities – Sundry

Creditors यहां से Creditor का नाम देख सकते हैं । Alt + P करके Print Out निकाल सकते हैं ।

### 3. Daily Balance देखने के लिए

Gateway of Tally - Display – A/c Book –Ledger यहां से किसी भी A/c को Select करके उसके अंदर जाकर किसी भी माह की Entry खोलकर F5 Press करके Daily Balance देख सकते हैं ।

## CLOSING STOCK की ENTRY करने की विधि

### 1. Gateway of Tally-A/c Information-Ledger-Create

यहां आकर Stock – in –hand का खाता बनाएंगे जिसका Group Stock in Opening Balance में लिखेंगे

### 2. प्रत्येक माह के Closing Stock की Entry करने के लिए

Gateway of Tally – A/c Information –Ledger – Alter

यहां आकर Stock in Hand का खाता Select करके प्रत्येक माह में Closing stock की Entry कर सकते हैं ।

### 3. Profit & Loss A/c में जाकर Opening Stock और Closing Stock देख सकते हैं ।

Profit & Loss A/c Alteration) में पहुंचकर Closing Stock Change भी कर सकते हैं ।

4.

## PRINT OUT निकालने की विधि

जिस भी Report का Printout निकालना है उसे Screen पर उसी विधि से लेकर आएंगे जिस विधि से देखने के लिए Screen पर लाते हैं । उसके बाद Alt +P press करके Enter Press करने पर Printout निकल जाता है ।

### 1. Cash Book, Bank Book, Ledger की Printout निकालते समय Alt+P Press करने के बाद निम्न Setting करेंगे ।

F9 से Normal Format करेंगे । With Narration और With Full detail (यह केवल Ledger के Case में दिखेगा) Yes करेंगे । उसके बाद Enter Press करके Printout निकालेंगे ।

### 2. Trial Balance, Balance Sheet और Profit & Loss A/c निकालते समय Alt+P Press करने के बाद F9 से Quick Format Set करके Enter Press करेंगे ।

## किसी COMPANY के सारे खातों का PRINT OUT निकालने की विधि

Getway of Tally – Printing /Export - A/c Book – Ledger

1. ONE A/C यहां से किसी एक A/c का Printout F2 से Date Set करके निकाल सकते हैं ।
  2. GROUP OF A/C यहां से किसी Company के Group के सभी खातों का Printout F2 से Date Set करके निकाल सकते हैं ।
  3. All A/c यहां से किसी Company के सभी Group के सभी खातों का Printout F2 से Date Set करके निकाल सकते हैं ।
- उपरोक्त सभी में Printout निकालते समय f2 से Date Set करने के बाद F3 से With Narration और With Full Detail Option, Yes कर देंगे ।

## विभिन्न खातों के DEBIT & CREDIT BALANCE का महत्त्व एवं अर्थ

1. Purchase, Expenses, Assets, Cash A/c, Bank A/c (जिसका Group Bank हो) का हमेशा Dr. Balance चाहिए । Expenses के Dr. Balance का मतलब है उतने खर्च हुए Assets के Dr. Balance का मतलब से उतने Assets है Cash और Bank के Dr. Balance का मतलब है कि उतने Amount का Cash और Bank Balance है ।
2. Income, Sale, Liability का हमेशा Cr. Balance होना चाहिए । Income के Cr. Balance का मतलब है उतने की Income हुई Sale के Cr. Balance का मतलब है उतने का माल बेचा गया है । Liability के Cr. Balance का मतलब है उतना Amount चुकाना बाकि है ।
3. Sundry Debtors के Dr. Balance का मतलब है हमें उनसे उतना पैसा लेना है और Debtors के Cr. Balance का मतलब है Debtor का Advance जमा है हमें उसे उतने का माल बेचना है ।
4. Sundry Creditor के Cr. Balance का मतलब है उन्हें पैसा देना है बाकि है और Creditor के Dr. Balance का मतलब हमारा Balance उनके पास जमा है उतने Amount का उनसे माल खरीदना बाकि है ।